Newspaper : Denik Jagran
Edition: Delhi | Date: 5th April, 2019 | Pg. : 26

सरकारी स्कूल के छात्र बनाएंगे कचरे से खाद

नंदनगरी स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण की ओर सराहनीय कदम बढ़ाया है। विद्यालय में करीब 250 पौधे लगे हैं, जिनसे पत्तियां गिर रही हैं इनका इस्तेमाल अब खाद बनाने के लिए किया जाएगा। इस विद्यालय के ईको क्लब के विद्यार्थियों ने कंपोस्ट साइट (कचरे से खाद) बनाने की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली है।

ऐसे तैयार की जाएगी कचरे से खाद : स्कूल में कागज और पेड़ों से गिर रहे सूखे पत्तों से बनी प्राकृतिक खाद पौधों और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी होगी। इसी सोच से प्रधानाचार्य और अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों ने नई पहल की है। इससे विद्यालय से निकलने वाले कचरे का इस्तेमाल विद्यालय में ही हो जाएगा। रसायनिक खाद से प्राकृतिक खाद मिट्टी की उपजाऊ क्षमता भी बढ़ाती है। इस खाद को तैयार करने के लिए कागज के कचरे और सूखे पत्तों को अलग कर एक गड्ढे में डाला जाता है। जब यह गड्ढा भर जाता है तो इसमें गाय का गोबर और पानी मिलाया जाता है, जिससे इसमें नमी बनी रहे। इसके 15 दिन बाद इसे छोड़ दिया जाता है। 15 दिन के बाद इस कचरे से खाद बनकर तैयार हो जाती है।